धर्म की हानि पर अवतार लेते हैं भगवान : पं. शास्त्री

उन्हेल। जब-जब धर्म की हानि होती है, तब-तब भगवान विभिन्न रूपों में अवतार लेकर पृथ्वी पर आते हैं। उक्त विचार पं. बालकृष्ण गणेशदत्त शास्त्री (कानवन, धार) ने राधाकृष्ण मंदिर, स्वर्णकार समाज में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के दौरान व्यासपीठ से व्यक्त किए।

उन्होंने कथा में बताया कि जब कंस का अत्याचार बढ़ गया और उसने अपने ही पिता को कारागार में डाल दिया, यज्ञ एवं मंदिरों की आरती बंद हो गई, तब पृथ्वी ने गाय का रूप धारण कर ब्रह्माजी से प्रार्थना की। भगवान शिव सहित समस्त देवताओं ने भगवान नारायण से प्रार्थना की, तब भगवान ने सभी देवताओं को अपने-अपने अंश से पृथ्वी पर अवतार लेने का आदेश दिया। कथावाचन में उन्होंने वसुदेव-देवकी विवाह, कंस द्वारा देवकी-वसुदेव को कारागार में डालने, छह पुत्रों के वध तथा सातवें गर्भ को रोहिणी माता के गर्भ में स्थापित किए जाने का प्रसंग सुनाया। जिससे बलदेव महाराज का अवतार हुआ। इसके पश्चात आठवें गर्भ के रूप में स्वयं भगवान श्रीहरि के अवतरण का भावपूर्ण वर्णन किया। पं. शास्त्री ने कहा कि जो व्यक्ति दूसरों को आनंद, सुख और प्रसन्नता देता है, उसके घर स्वयं भगवान का आगमन होता है। कथा में पूतना वध, शकटासुर, तृणावर्त, यशोदा माता को भगवान श्रीकृष्ण के मुख में ब्रह्मांड दर्शन, माखन चोरी लीला तथा सुखिया मालिन पर भगवान की कृपा का सुंदर वर्णन किया गया। उन्होंने बताया कि वृंदावन भगवान श्रीकृष्ण का साक्षात निवास स्थान है। कथा में भगवान द्वारा बकासुर, वत्सासुर एवं अघासुर वध, कालिय नाग दमन तथा गोपियों द्वारा भगवान को पति रूप में प्राप्त करने हेतु किए गए कात्यायनी व्रत का प्रसंग भी श्रद्धालुओं को सुनाया गया।

गोवर्धन लीला का वर्णन करते हुए पं. शास्त्री ने कहा कि गोवर्धन पर्वत स्वयं भगवान श्रीकृष्ण का ही स्वरूप है। इस अवसर पर गिरिराज पूजन कर छप्पन भोग अर्पित किया गया। कथा श्रवण हेतु बड़ी संख्या में समाजजन, नगरवासियों एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से श्रद्धालु उपस्थित रहे। गुरुवार को देहटा से ठाकुर नाथू सिंह सोलंकी एवं उनके सहयोगियों सहित प्रेस क्लब एवं प्रेस फोरम के सदस्यों ने व्यासपीठ का पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। आरती का लाभ किरण सोनी एवं उनके परिवार द्वारा लिया गया। महाआरती के पश्चात प्रसाद वितरण किया गया। जानकारी अरुण सोनी ने दी।

कन्या हायर सेकंडरी स्कूल महिदपुर की छात्राओं के लिए ऑन द जॉब ट्रेनिंग

महिदपुर। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महिदपुर में व्यवसायिक शिक्षा के अतंर्गत छात्राओं के लिए ऑन द जॉब ट्रेनिंग (ओजेटी) आयोजित की जा रही है।

यह प्रशिक्षण एडवांस कंप्यूटर महिदपुर और चंचल ब्यूटी केयर महिदपुर में आगामी 20 दिनों तक संचालित होगा। यह कार्यक्रम विद्यालय के प्राचार्य अर्जुन सिंह दावरे, व्यवसायिक प्रशिक्षक शालिनी विश्वकर्मा एवं ज्योति बिसेन के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में आई टी की छात्राओं को सूचना प्रोद्यौगिकी से संबंधित एवं ब्यूटी की छात्राओं को सौन्दर्य एवं देखभाल से संबंधित कार्य सिखाये जा रहे हैं एवं जानकारी दी जा रही है। सरकार द्वारा कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। इस कार्यक्रम में एडवांस कंप्यूटर के संचालक डा. विनोद देवड़ा एवं चंचल ब्यूटी केयर की संचालिका चंचल उदीवाल का पूर्ण सहयोग प्राप्त हो रहा है।

एक नजर में

बीजेपी नगर अध्यक्ष अस्पताल में भर्ती

इंदौर. शहर भाजपा अध्यक्ष सुमित मिश्रा को हार्ट की प्राब्लम निकली है. बुधवार रात उनको सीने में दर्द की तकलीफ हुई थी. तत्काल शहर के विशेष जुपिटर हॉस्पिटल ले जाया गया. आज सुबह उनकी एंजियोग्राफी हुई, जिसकी रिपोर्ट में मल्टीपल ब्लाकेज निकले हैं. इसके बाद उनके इलाज के लिए दिल्ली एस्कॉर्ट हॉस्पिटल से संपर्क किया गया. शुक्रवार मिश्रा को सुबह परिजनों के साथ दिल्ली भेजा जाएगा. एस्कॉर्ट हॉस्पिटल में हल्की हार्ट सर्जरी होगी.

अहंकार मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु : पं. तिवारी

इंदौर. हमारी जितनी कामनाएं बढेंगी, उतना ही दुख भी बढ़ेगा. सुख और दु:ख जीवन के क्रम हैं जिनसे कोई भी बच नहीं सकता. संसार को दुखों का महासागर कहा गया है. भगवान की सभी लीलाएं समाज के लिए कल्याणकारी होती हैं. इन लीलाओं में अनेक गूढ़ सन्देश छिपे हुए हैं जिन्हें समझने के लिए अंतर्मन की दृष्टि चाहिए. अहंकार ही मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है और उससे बचना ही सबसे बड़ी चुनौती है. भागवताचार्य पं. पुष्पानंदन पवन तिवारी ने सप्तऋषि भागवत मंडल के तत्वावधान में पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में गुरुवार की शाम को खजराना गणेश मंदिर स्थित सत्संग सभागृह में चल रहे भागवत ज्ञान यज्ञ में गोवर्धन पूजा एवं 56 भोग तथा भगवान की बाल लीलाओं जैसे प्रसंगों की व्याख्या के दौरान उक्त दिव्य विचार व्यक्त किए. कथा में गोवर्धन पूजा का उत्सव धूमधाम से मनाया गया. कथा शुभारम्भ के पूर्व मनोरथी समूह की ओर से अशोक-आरती खंडेलवाल, हितेंद्र-वन्दना ग्रोवर, आशीष-खनक शर्मा एवं स्वप्न-स्वाति खंडेलवाल आदि ने व्यास पीठ का पूजन किया. विद्वान वक्ता की अगवानी महेंद्र-दिव्या मानधन्या, रामचंद्र-उषा पितलिया एवं लक्ष्मण-चंद्रकांता कानूनगो ने की। कथा प्रतिदिन दोपहर 3.30 से शाम 7 बजे तक हो रही है. सप्त ऋषि भागवत मंडल के अशोक खंडेलवाल ने बताया कि कथा में शुक्रवार 22 मई को रुक्मणी विवाह का उत्सव मनाया जाएगा.

चार अनुयोगों के माध्यम से कर सकते हैं आत्मकल्याण

इंदौर. उदय नगर जैन मंदिर के प्रांगण में मुनि विमल सागर महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि हमारा जैनागम (शास्त्र) चार अनुयोगों में बटा हुआ है। हम किसी भी एक योग को गोण नहीं कर सकते. जैन दर्शन के अनुसार चारों अनुयोगों के माध्यम से ही जीव अपना जीवन सुधार कर आत्म कल्याण और मोक्ष की प्राप्ति कर सकता है. दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के प्रचार प्रमुख सतीश जैन ने बताया कि लव कुश विद्या विहार स्कूल में सर्वांगीण विकास के लिए चल रहे शिविर में 600 बच्चों ने भाग लिया. सभी को पुरस्कार दिए गए. आज की धर्म सभा में दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के पदाधिकारी पहुंचे. समाज के अध्यक्ष विनय बाकलीवाल ने कहा कि संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर से दीक्षित आर्यिका उपशम मति माताजी एवं आर्यिका श्रुत मति माताजी का दुर्घटना में असामायिक समाधि मरण होने से भारतवर्ष का संपूर्ण जैन समाज अत्यंत दुखी एवं आहत है. इस शिविर में सामाजिक संसद द्वारा सहयोग करने पर उनके पदाधिकारियों विनय बाकलीवाल, डी के जैन, जेनेश झांझरी, पिंकेश टोंग्या, सतीश जैन, सुदीप जैन, पवन पाटोदी का सम्मान ट्रस्ट के अध्यक्ष पी सी जैन, सचिन जैन (उद्योगपति), संतोष जैन सर, राकेश जैन पम्पु, मनीष नायक, अशोक जैन, जितेंद्र जैन सीए, अतुल जैन (थाला वाले), सचिन कोल आदि ने किया. संचालन भरत जैन ने किया. आभार संदीप जैन ने माना.

एमपीपीएससी परीक्षा नियम 2026- 5 जून तक मांगे सुझाव

इंदौर। राज्य शासन ने मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की भर्ती परीक्षाओं के संचालन के लिए नए नियमों का प्रारूप तैयार किया है। इन प्रस्तावित नियमों को लागू करने से पहले शासन ने आम नागरिकों, संस्थाओं और संबंधित हितधारकों से सुझाव एवं आपत्तियां आमंत्रित की हैं. सामान्य प्रशासन विभाग के अपर सचिव अजय कटेसरिया ने बताया कि राज्य शासन द्वारा मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग परीक्षा नियम 2026 अधिसूचित किया जाना प्रस्तावित है. प्रस्तावित नियमों का प्रारूप विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराया गया है। इच्छुक व्यक्ति 5 जून 2026 तक अपने सुझाव एवं आपत्तियां लिखित रूप में ई-मेल पर भेज सकते हैं. इसके अलावा विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध लिंक के माध्यम से भी सुझाव ऑनलाइन भेजे जा सकते हैं। शासन ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय-सीमा के बाद प्राप्त सुझावों पर विचार नहीं किया जाएगा।

उर्स के दौरान मजार पर भाईचारे और एकता की पेश की मिसाल

उज्जैन। ग्राम सदावल स्थित हजरत सैय्यद सदावल शाह की मजार पर उर्स के अवसर पर मजार कमेटी द्वारा एक दिवसीय धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आपसी भाईचारा, शांति और सामाजिक एकता का संदेश देना रहा। उर्स उत्साह और शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ, जिसमें सभी समाज एवं धर्मों के लोगों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रतिवर्ष की परंपरा अनुसार गुस्ल की रस्म से हुई। सुबह से देर रात तक मजार पर जायरीन का तांता लगा रहा। हजरत सैय्यद सदावल शाह की यह प्राचीन मजार क्षेत्र में आस्था का प्रमुख केंद्र मानी जाती है, जहां प्रतिदिन और विशेष रूप से गुरुवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपनी मन्नतें लेकर पहुंचते हैं। उर्स के अवसर पर मालवांचल सहित आसपास के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। गद्दीनशीन मोहम्मद फारुख बाबा ने बताया कि उर्स को लेकर पूरे गांव में उत्साह का माहौल रहा। मजार को आकर्षक रोशनी एवं फूलों से सजाया गया था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संस्था के संरक्षक अशोक प्रजापत उपस्थित रहे। उनकी अध्यक्षता में मजार पर चादर पेश की गई तथा देश में शांति, भाईचारा और विश्व में चल रहे युद्धों के समाप्त होने की दुआ की गई। इस दौरान गुस्ल, कुरआन ख्वानी और फातेहा का आयोजन हुआ, जिसके बाद तबरूक वितरित किया गया। उर्स के मौके पर कव्वाली कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर सूफियाना कलाम और कव्वालियों का आनंद लिया। शाम 7 बजे से रात 10 बजे तक लंगर का आयोजन किया गया, जिसमें मजार पर आने वाले जायरीन ने तबरूक हासिल किया। मुख्य अतिथि अशोक प्रजापत ने कहा कि यह मजार सामाजिक एकता और सद्भाव की मिसाल है। यहां सभी धर्मों के लोग एक साथ आकर चादर पेश करते हैं और अपनी मन्नतें मांगते हैं। छोटे बच्चों को लड्डुओं में तोलने की परंपरा भी वर्षों से चली आ रही है, जो ग्रामीण संस्कृति और आस्था का प्रतीक है। हजरत सैय्यद सदावल शाह से दुआ करते हुए कहा कि वर्ष 2028 का सिंहस्थ पर्व भव्य और सफल रूप से संपन्न हो। साथ ही मजार के आसपास विकास कार्य भी किए जा रहे हैं, क्योंकि सिंहस्थ के दौरान यहां से बड़ी संख्या में श्रद्धालु गुजरेंगे। सभी धर्मों के लोग मिलकर श्रद्धालुओं का स्वागत करेंगे और पर्व को सफल बनाने में योगदान देंगे। कार्यक्रम के अंत में अशोक प्रजापत ने मजार कमेटी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि समिति ने एकता और सौहार्द के साथ उर्स को सफलतापूर्वक संपन्न कराया तथा श्रद्धालुओं के लिए उत्कृष्ट व्यवस्थाएं कीं।

7 दिवसीय कश्मीर यात्रा का समापन

- **50 सदस्यों ने डल झील, गुलमर्ग और पहलगाम की वादियों का उठाया लुत्फ, समापन पर भेंट की केसर**

उज्जैन। अरिहंत सोशल ग्रुप द्वारा आयोजित सात दिवसीय कश्मीर यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न हो गई है। इस यात्रा में ग्रुप के लगभग 50 सदस्यों ने हवाई मार्ग से सफर कर कश्मीर की वादियों और प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लिया।

यात्रा की शुरुआत श्रीनगर से हुई, जहां सदस्यों ने प्रसिद्ध डल झील में शिकारा राइड का लुत्फ उठाया। इसके पश्चात मुगल गार्डन, निशात गार्डन, शालीमार गार्डन और हजरतबल दरगाह सहित विभिन्न पर्यटन स्थलों का भ्रमण किया गया। गुलमर्ग की बर्फ से ढकी पहाड़ियों, सोनमर्ग और पहलगाम के मनमोहक प्राकृतिक सौंदर्य ने भी यात्रियों को आकर्षित किया। यात्रा को रोचक बनाने के लिए बोनफायर, संगीत संध्या और सामूहिक मनोरंजन कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यात्रा संयोजक गुणवंत शाह और आशीष नांदेचा ने बताया कि आयोजन का मुख्य उद्देश्य दैनिक व्यस्तताओं से दूर सदस्यों को सुकूनभरे पल प्रदान करना था। यात्रियों ने टूर के दौरान खान-पान, आवास और परिवहन की उत्कृष्ट व्यवस्थाओं की सराहना की।

समापन अवसर पर सभी यात्रियों को कश्मीर की प्रसिद्ध केसर उपहार स्वरूप भेंट की गई। संस्था संयोजक राजेन्द्र चेलावत ने यात्रा में विशेष सहयोग के लिए द्वारकेश गुप्ता और सुभाष सोनी का अभिनंदन किया। यात्रा के सफल आयोजन पर सदस्यों ने आयोजकों का आभार जताते हुए भविष्य में भी ऐसे सामाजिक आयोजनों की निरंतरता की अपेक्षा व्यक्त की है।

नगर निगम कर्मचारी संघों ने हरसिद्धि मंदिर चौराहे पर चलाया एक दिनी विशेष सफाई अभियान

उज्जैन। प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री की प्रेरणा से स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध सफाई कामगार संघ, स्वायत्तशासी कर्मचारी संघ, सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ के तत्वावधान में निगम आयुक्त की मंशा अनुसार हरसिद्धि मंदिर (शेर चौराहा) पर एक दिवसीय विशेष सफाई अभियान चलाया गया। जिसमें अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने क्षेत्र की साफ-सफाई की।

जानकारी अनुसार गुरुवार सुबह 8.30 बजे से हरसिद्धि चौराहा (शेर चौराहा) से तीनों कर्मचारी संघों के संरक्षक रामचंद्र कोरट के मार्गदर्शन में विशेष सफाई अभियान की शुरुआत हुई। कोरट के साथ अपर आयुक्त पवन कुमार सिंह, उपायुक्त संजेश गुप्ता, योगेन्द्रसिंह पटेल, मनोज मौर्य ने भगवान विश्वकर्मा के चित्र पर माल्यार्पण कर सफाई अभियान चलाया गया। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने संतोषी माता मंदिर तक, चारधाम मंदिर की ओर, महाकाल मंदिर मार्ग की सफाई कर पावडर की लाईन डाली गई। इस अवसर पर स्वास्थ्य अधिकारी के साथ ही स्वास्थ्य इंस्पेक्टर, दरोगा सहित अधीनस्थ सफाई कर्मचारियों, आफिस व झोन के कर्मचारियों द्वारा सफाई कार्य किया गया। इस अवसर पर सहायक आयुक्त प्रवीण मुकाती, स्वास्थ्य अधिकारी हरीश व्यास, कर्मचारी संघ के रामचंद्र नागर, डॉ. पवन व्यास, अजयप्रकाश मेहता, मनसुख मेहरवाल, रमेशचंद्र निगम, चंदगीराम पहलवान, गय्यूर अहमद, शैलेष नागर, मुकेश सारवान सहित बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

एक नजर भैरवगढ़ जेल में 10 दिवसीय आत्म और व्यक्तित्व परिष्कार योग शिविर का शुभारंभ

शरीर से भले ही कैदी हों, संयम और सेवा से मन के बंधन से मिल सकती है मुक्ति : प्रो. मिश्र

उज्जैन। अखिल विश्व गायत्री परिवार, गायत्री शक्तिपीठ उज्जैन और महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 22 मई को केंद्रीय कारागार भैरवगढ़ में 10 दिवसीय आत्म एवं व्यक्तित्व परिष्कार तथा योग शिविर का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महर्षि पाणिनि विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. शिवशंकर मिश्र रहे। उन्होंने बंदियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिप्रा तट पर स्थित भैरवगढ़ जेल में रहने वाले भले ही शरीर से कैदी हों, लेकिन संयम, तप और सेवा के माध्यम से वे अपने मन के बंधन से छूट सकते हैं।

कुलगुरु प्रो. मिश्र ने भारतीय दर्शन का हवाला देते हुए कहा कि संसार में रहने वाला प्रत्येक प्राणी किसी न किसी बंधन में है। मन के अधीन कार्य करते हुए व्यक्ति काम, क्रोध और लोभ के मोहपाश में बंधा है। इससे मुक्ति का मार्ग केवल भक्ति है, जिसे कहीं भी रहकर प्राप्त किया जा सकता है। सकारात्मक विचारों के साथ जीना ही जीवन की सार्थकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस शिविर से बंदियों में निश्चित रूप से सकारात्मक सुधार देखने को मिलेगा। गायत्री परिवार के उप जोन समन्वयक प्रभाकर सोनोने ने गायत्री विद्या पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किसी भी उपासना पद्धति का मूलाधार व्यक्तित्व परिष्कार है।

योग का उत्कृष्ट प्रदर्शन और बंदियों का मार्गदर्शन: देव पूजन और दीप प्रज्वलन से शुरू हुए कार्यक्रम में भैरवगढ़ सह-जेल प्रभारी विनोद मालवीय ने अतिथियों का स्वागत किया। योग विभाग के प्राध्यापक डॉ. रघुवीर पटेल के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न आसनों और यौगिक सूक्ष्म व्यायाम का प्रदर्शन कर बंदियों को स्वस्थ जीवन की प्रेरणा दी। छात्र कान्हा बाड़ोले ने कठिन और दुर्लभ योगासनों का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सबका मन जीत लिया, जिस पर मुख्य अतिथि और विनोद मालवीय ने उन्हें दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया। उज्जैन उपजोन सह समन्वयक डॉ. शशिकांत शास्त्री, जिला समन्वयक राम प्रसाद सरिया, जेल अधीक्षक डाबर और पूर्व जेल अधीक्षक गोपाल सिंह गौतम ने बंदियों को व्यक्तित्व परिवर्तन कर समाज की मुख्यधारा से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

गायत्री मंत्र पुस्तिका और सत् संकल्प का वितरण

इस अवसर पर जायंट्स ग्रुप ऑफ उज्जैन द्वारा सभी बंदी परिजनों को गायत्री मंत्र लेखन पुस्तिका और पेन प्रदान किए गए। गायत्री परिवार के वरिष्ठ सदस्य बाबूलाल बाड़ोलिया ने नवयुग के संविधान युग निर्माण सत् संकल्प का पाठ करवाया और सभी को इसकी प्रति भेंट की। संचालन गायत्री परिवार के सतीश शर्मा ने किया। आभार कृष्ण पटेल ने किया, जबकि जेल प्रशासन की ओर से प्रशिक्षण प्रभारी सुरेश गोयल ने आभार माना। कार्यक्रम में जायंट्स ग्रुप ऑफ उज्जैन के अध्यक्ष सुरेश फरक्या, अशोक झालानी, अमृत बलासारा, अशोक राघवानी, महेंद्र वाडिया, प्रेम प्रकाश बोराना सहित महर्षि पाणिनि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी अमित पांचाल, वंदना अरोड़ा, कान्हा बाड़ोले, ललिता यादव, मेघना, पूजा दलोदिया और विजेंद्र चौहान उपस्थित रहे।